

२२५२

प्रियन्धउषटहं छादिगलसम्बनपयिसयि. धून्परुहायारहमविना
हिबज्जवा नाहिगुम्मा विनूदवमिअंधना ॥ ॥ गभवनिनीला
वज्जकलियाउरुसग पुनूवनराभावाधरसमयानन्दरुलिगल
मधुलसम्बनवज्जवा नाहि ॥ ॥ नागविराहा ॥ गालमाध
धनरदधनधनाधनरधनयश्चकिशील ॥ ॥ मर्दश्वडाधकसमयश्च
द्वनयागसविनवन ॥ ॥ कनूरवज्जधनसमयश्चभालालिकककर्व

नागमास्तो २

शुवंस्वामिना.मिषुनश्चरश्चयखात्मवेद्यं समचर्यं विस्सुखं कल्पनां ल
मूका.कुर्यात्तस्यां  धियसंशिनसिविनयं सहस्रसर्वकालं ॥ १ ॥
उं नमः श्रीपद्मनख  धवाय २ ॥ उं नमः श्रीचक्रसम्बनाय ॥ ॥
नाग.अंधाहेनवि ४३  नमः श्रीचक्रसम्बनाय ॥ जा ॥ धर्मधनुमि
नहृदयानंदकालिका ॥ काला ॥ जगदालाकलाचन ॥ जा ॥ कमलास
नसु.शशिवर्धनाकलंकमला ॥ काला ॥ सहजानंदकालिका ॥ जा ॥ नि

३

विश्वसत्तात्रु

धिलजिनहृदयालादसूदन ॥ काला ॥ नरुंगमश्रुकमात्रा.हाकजाता ॥ ॥
नाग.अंधाहेनवि ॥ ॥ काला ॥ चस्यमि ॥ विश्वसनाहृविंदविंसा २
मांकात्रवियापित.  ससंरुवा ॥ ॥ नमामि ३ वागिधन.सय
न.मूनिहृदया २ वि  नासयिकूटाग्नमनाहन.सयनजिनहृदया
॥ ॥ यीरनीलाहृदीगवयन २ यंचजिनमूकटमहिलयन ॥ ॥ धर्म
चक्रमूडाकुलिहासनाहि २ यधु चापयिया.पहाशुवस्थान ॥ ॥ सूनास

हृत्पद्मिनः श्रीमद्गुरुभ्यो नमः

ननसिखवचनयश्च २ रुनीयवनमादिवज्जिनगुणलयन ॥ ॐ ॥ गच्छति
काय ॥ ॥ नाग ॥ गंधारोत्तवि ॥ गाल मय ॥ हृत्पद्मिनः मूक
किन्नरिः सतिशा ॥ ध्वनचननरुगा ॥ ॐ ॥ साहयवज्जसत्त
यममध्वनयनमय ॥ दं ॥ ॐ ॥ गच्छति निवहपीथकं ॥ धाद्वगदह ४
धन ॥ ॐ ॥ चानिगुमूनरसैचानिगुगुष्कक ॥ कमलशगा ॥ ॐ ॥ नृपका
य ॥ ॐ ॥ ४ ॥ नागरोत्तवि ॥ गाल सनि ॥ अमहिमधुल मन्समूडा २

जनधनजउरन उदकविन्दचन्द्रा ॥ ॐ ॥ प्रवृत्तभर्तृसिन्धुलायनगयन
२ रुलपलिहासयि ॥ जिनगुननाया ॥ ॥ कच्छेधनिर्द्विद्या
विखयसर्वयका ॥ २ समुद्रगर्गजिनः कूभनका ॥ ॥
पवनद्वयिः सदिवा ॥ दृष्टिनिचिया २ रुलयिवज्जानन दहदि
हृदाह ॥ ॥ सुगमरुनिशावयिया नहायिनस्वध २ सुगमवज्जानन
यिया अचिन्नालयवाध ॥ ॐ ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नागरोत्तवि ॥ गाल

त्रिभुवनशक्तिरादृक् अकारावसंज्ञा

[illegible]

जलदा ॥ ७ ॥ उंगलपतिकुमान महाकालकृष्णान्यागीनी गल २
 मयमासमत्स्य यच
 कर्मजानुनादिनिग
 नी श्वता गजकना
 वर्गजानु विहाल वन ॥ ८ ॥ भवकयादय ननु करोनवा २०० दायनी कुं
 कुमा, कर्काटकनाग, कोलाकुला नादिरुजलदा ॥ ९ ॥ टवर्गजानु यव

मसमने चटकया दये कपिलसे नवाश्वा नाहिन काय कुंजंग कलंक
 से नवा करु कजल दा ॥ ७ ॥ यवर्ग जात ७ कवजा गम कनज
 पादय काठ से नवा २ को मानिन का महाघनागम अट्टर हासा
 पुच सुजल दा ॥ ८ ॥ यवर्ग जात मास गृह दि मिऊ पुकाटिया
 दय उना न से नवा २ वे पु विष्णु मा अनंग नागम लक्ष्मि वन रुतासन पुनक्ष
 जल दा ॥ ९ ॥ यवर्ग जात शून्य गृह वारु अर्जुन पादय सहान से नवा २ चा

शिर्यतिशनाथ १०

मूडान का कलिक नागम घाना चकाना वरु कजल दा ॥ १ ॥ यवर्ग जा
 त अनत्य वंश न
 २ धरा शीखया लना
 ॥ सेल व कालि पादर
 न न मा मिणी हनुकर वरु य हरी ॥ १ ॥ ॥ वरु वन न रूप काथ ॥
 नाग का मा ॥ गाल खरु काल ॥ शिर्यतिशनाथ किय यिन स चियीग

२ गच्छस्व युवन. २० रुनीहिरिष्टं ॥ १ ॥ आगमदिगर्वध ॥ ॥ अचिकक्षना
 जा. लंघयी भना २
 मयन ॥ ३ ॥ समुनि २
 किं २ ॥ अरुकादशा
 रुकनूता मय २ ॥ समुजदिङ्गु. असिचदुहास ॥ ४ ॥ उंगरु २ ॥ रुद्र ॥
 ॥ ॥ उनगमधियरि. पलायगुसय २ ॥ वजयाहावध. घाटकाकलदी ॥ ५ ॥

सीमननाम. नऊगच्छरुद्रानै २ ॥ समुजदिङ्गु. अरुनीहिरिदाष ॥ ६ ॥ उंगरु
 यय २ ॥ रुद्र ॥ ॥ य
 रुद्रावधनकनदी ॥ १ ॥
 रुद्राभायंगु. नैमीवैरु
 रुद्र ॥ ॥ अरुद्र ३ ॥ युवननाथवक्त्रा व्यामचिर्या २ ॥ स्वर्गधर्मे विध्यंगिरा
 श्रीवकनदी ॥ ८ ॥ वृद्धवननाम. अरुकादनाजा २ ॥ दशादिगिरिगामान. शाभी

नकनामि ॥ १० ॥ वाक्कुलिचन (स) रुजग धनिया २ ग वनिकुलि ॥ श्रीगी
 रचनिता ॥ ११ ॥ किनधनाय ॥ १२ ॥ नागसेनवि ॥ माल ॥ म
 य ॥ उँ खवजध्वकवह
 लयिभर्ननमहाका
 टय २ सर्वदृष्टन कीलय हं दृष्टाय हने २ उँ वज कीलय वजधन भोला काय
 वाक्चिरे कीलयनि ॥ श्रीवजसत्त्व आना धिनान भनूरुन सिद्धि प्रसाद

लदे ॥ ॥ पूर्वादिदानका कानन नर रिन्नाजन युक्ति घान नृपा २ च ॥ अग्रनी
 वन महाश्मशाना
 दिगदान उल्लूकान
 डगकन महाश्म
 ॥ ॥ यन्मिदिगदान ॥ नाननन सिद्धिना नृपा नृवि कन नृपा २
 आलाकल महाश्म ॥ नाननन रिन्नाधियतिगद कीलयनि ॥ ॥ दकि

लीदिगहानः शूकनानननः कनकनिर्ददहा. घघननादि २ कलं करो
 नवमहाश्मशानाना ॥ पुताधियमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ दकि
 यवनका (१) देवीज ॥ मजादि. कुरुपीगारा. पुचुनुया २ अट्ट
 हास. महाश्मशाना ॥ नगजाधियमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ दिमि
 यवनका (१) यमदुमिन. पीगानननकाठनूया २ लकीवनहतासन. महा
 श्मशानाना. नाकसाधियमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ वायूयवनका (१) देवी

यमदुमिन. नकथासनन. कलावदनी २ धानाधकानशीषमहा
 श्मशानाना. वागाधि ॥ यमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ श्मशानवन
 का (१) देवीयममर्थ ॥ नीयथासकृष्टा. विकटनूया २ नोडिकलि
 किलावमहाश्मशाना ॥ नसाधियमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ उक्ती
 यचक्रवर्ति उडुससिगा. मानविघ्नहनुपीनदहा २ वझानविहासिगहा. सयन
 खचनमानगहा. कीलयैति ॥ ॥ सूरजाऊकाठ अग्निनीलसूत्रि. याताल

शुद्धिदायक १२

[illegible]

धूमकनरी २ विम्बनाथशिशुवनव्यायिग. वदात्रिधंसनकनरी ॥ ॥ ७२
नैगजानूसिग. शि
ऊनीहृदियाधनं.
लाहाननोपुना. कति
दनं शिशुवननाया पुचशुवीली ॥ ॥ विनाधियोगि. सर्वसयरुनरी. पुगपि
॥ चादि. संगनमनसा २ सननयकादि. वन्दिरुयादं. सर्वसिद्धिमाक

हंकारसंज्ञा १३

हलदं ॥ ॐ ॥ १० ॥ नागरु ॥ अलनालमाथ ॥ हंकारसंज्ञा ॥ ॐ नदी
लसमद्रुगिदहा ॥ ॐ ॥ अर्यगुभ
ला ॥ ॐ ॥ अर्यगुभ
जगननाथ जगनया
नवामजान् धात्रवदनगिलाचना ॥ केकराऊसरवरयंकन अषि
लविघ्नहंता ॥ ॥ वक्रहनिहत्र मयवनाग नदयंदहनधुवीना ॥ ॐ

११

यमादि १४

हानिपीशिरुधनसद्यकिनराविघ्नहंता ॥ ॥ विविधित्रत्नारुद्ररा
षिरुदिव्यत्रत्नमौत्री
लदायक ॥ ॐ ॥
मधुमरु ॥ गालदूर्क
नमधुलसौ सुगलयना ॥ द्वादशयुज्जवउवदनसु ॥ भागिन वज्रवा नाहि
क ॥ अलिगदा ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ दहदिहसून ॥ ॥ मानसयनसम्वाधिया

न २६ दाभालिंगस. अदयसंतावना चयिदानस्थीसम्बन्धनाया ॥ ॥
 कलिकाय ४ गजचर्म विरक्तकपालखटोरा
 वनमृकटभालंक
 लिङ्गिये. भालिठचाययि व्याद्युचर्मनिवाशन. कृष्णन ॥ ॥ नलशि
 लमाला. लवणीसम्बन्धना. दिव्यचक्रुष्टिदिकनृनहिया २ जन्मजन्ममात्र

१२

सर्वमन्त्र १५

सुंरुपायशक्तता. भवन्ति. यत्रमादिवजगीता ॥ ॥ १२ ॥ ॥ गुत्रमशुस
 ॥ गित ॥ ॥ नागसे
 नकनाजित. पूर्वदि
 नुरुवन. यंचवर्षे
 विंध्यहीजित. विंध्यहीरुविंध्यरुत. यक्षसूत्रि २ अष्टदीपानला. वह
 निजिनमानसा. रुत्रंशुतयगिमिलयनद्यात्रनृये ॥ ॥ जातवदनस.

याउपदीयेनाउपदीयेनीजागुधनरुत्तसन्ननाउपदीयेचउविदिगंगुव
 न.चाउपदीयेणीस्व
 धिनयाचिय.सकभ
 सायनचका.मलिकु
 नक्षत्रिनसा.रुगनियनिरावना.मनकसुमउदकयनिसंदूलियुजा२५
 धवयनिरात्रधिसकयनिरुषिता.रुवजलनिधिसंगनसगुरु॥१३

१३

२५

॥ आदिपूजा ॥ शिसमाधियाय ॥ ॥ नागयुतमऊलि ॥ गालमा ० ॥ अ
 निलभनूलजलजागु
 नजालसेपनिरुदिन
 .शुन्यकनूदा.भालिंग
 दा.सम्बनऊनयिया ॥ ॥ हृदिसम्बीनवीनधन.जहिरुजहिरुगहिरु.अष्टभ
 धान२भनूरुगसर्वदव.वज्रपाऊडादवी.मिनीरुयनसहाव ॥ ॥ शि

युवनकुम्भ १ कुत्रायारुमा ३ गुरुवनकुम्भ २ कुवित्रवीना २ गुरुनिगुवनन
 वनाटकसंपुष्पादिन ॥ रुलियड २ काकोना ॥ ॥ अहिनिजिसं
 सरगुत्रवानं गुत्राग ॥ च्छादिगलरावराव २ जन्ममत्ररायवन्धन
 च्छादिगलरायमा ॥ नृअगियमहाव ॥ १४ ॥ ॥ कलस
 ॥ ॥ नागललिक ॥ ॥ नागल ॥ ॥ अन्नरुत्रगथता ॥ ॥ वकात्रसंराव ॥ ॥ तन्नत्रयचि
 गिरुविचित्रकलशं २ ३ ॥ अहं ॥ ॥ कात्रवज ॥ ॥ मृदकसफसं ॥ ॥ अधिगका

नमन्मयं ॥ ॥ चडामनत्रसवाधिरुलदायकं ॥ सर्वजिनव्यापित ॥ सहजक
 लशी २ जगत्सत्र ॥ ॥ धकधुन्यगाकत्र ॥ ॥ रावसंसात्रनाशन ॥ वि
 नक्रत्रयं ॥ ॥ वज ॥ ॥ यत्रमानवगन्धीवृसंयुक्तं ॥ ॥ खे ॥ ॥ अधिरयच
 पियुषं २ ३ ॥ कात्रमन्त्र ॥ ॥ पुष्यसंवद्धवजसंसापित ॥ ॥ विपात्रकलशं ॥
 ॥ ॥ घटसंयंत्रगफत्रयरावभाकष्य ॥ ॥ मुक्तिनिजलत्रयं २ ३ ॥ टिमि
 साधनरादवराचक्र ॥ ॥ नसत्त्वमानीय ॥ ॥ रुद्रो ३ ॥ कलशं ॥ ॥ ॥ पाद्यादि

शिवलोग १८

आचमन दान पूर्य सत्र समय सत्त्व प्रवर्गित विमल कलशं महनागद्वी
रुय वाधिविरुप्य **समय सत्त्वज्ञान सत्त्व प्रकीर्णं ॥ १५**
॥ ॥ अग्निस्तु **॥ ॥ नागनाट ॥ गाल मय ॥ गि**
निलायन च उवक्क विहाना श्वन ह्युगिह्या मधुलहाम ॥ ॥
महामहामकरिया ह्रूं ह्रूं नहि च उमा नाशनागद्वी माहवधिविचक्रादि
न ॥ ॥ प्रहाय उपाय नवजाशे विशिष्टायाय आचार्य वीयथा ॥ १५

नकुव १८

॥ ॥ वासदीहनकर शुवात्रपात्र ॥ कलियवजानन आहोतिदिना ॥ ॥
॥ कर्षवात्रनात्र अय **नमस्तु ॥ ॥ नागनाट ॥ गाल उगि ॥ न**
॥ ॥ १६ ॥ ॥ सा **सुंदरि ॥ अय ॥ दह ॥ कुजय ॥ हन ॥ की ॥ न ॥ ॥ ॥**
कवर्षुगिनिलायन **सुंदरि ॥ अय ॥ दह ॥ कुजय ॥ हन ॥ की ॥ न ॥ ॥ ॥**
॥ मुक्तदेविवात्रनिमहामासकिदेवी ॥ जगत्प्रसादि नमयनसूनाग ॥ ॥
॥ भागमवदपूना ॥ ॥ वर्षा ॥ ॥ श्यागधर्मदिक्कागुत्रउपद ॥ ॥ ॥ ॥ यकव

नमो
०

इत्थं नृपकमुष्णं सयात्रयागिनीमामहन्वर्गहन्व॥ ॐ ॥ गगनगुप्त
चनत्तिल्यंगन ॥ धात्रियाश्चनीयवाक्वदसन् ॥ आनृपि ॥
॥ ॐ ॥ ११ ॥ ॥
नृगिद्वजा ॥ नमः ॥
॥ ॐ ॥ गनाहं गनाहं गनाहं गनाहं गनाहं ॥ ॥ दंदाभालिङ्गद. योग
धनृश्वरुय नृमुडाधनृ ॥ ॥ धवनसुखीखटादहधनृश्चनदसु ॥ ॥

१६

हियचतुमनृ ॥ ॥ मायादहनीदजगुश्चाहियकनृदसत्त्वमहं ॥
॥ १८ ॥ ॥ दशयू ॥ जागीन ॥ ॥ गगहृ गमालधी ॥ गाल
मा ॥ शिचकनवि ॥ शशिमुखलमाम्ब. मिमिभानदमृगि
धनृश्वरुवात्राहि ॥ आलिङ्गदसम्बना. नानागभिमहाहला
॥ ॐ ॥ गनाहं गनाहं गनाहं गनाहं गनाहं ॥ ॥ नीलवर्णचगुवकष
मिमुखीनृपनमानेद. मृगिधनृश्विगधवजभर्द्धचंडजयामृकृदध

ना हा जगत्तस्य सारं भाषिता ॥ वक्रवर्णगजचर्म उमत्र खदीरा ॥
 विनमानंदमूर्ति धराश्रकनिकपालयत्र शुपाश. त्रिशूला
 वक्रशिखरा. व्या युचर्मकान्तिवस्त्रिता ॥ ॥ दिमैविदि
 गैकाकाश्यादियम जकिनीदवी. सहजानंदमूर्तिधराश्र
 नमामि शशीचक्रसम्भवा. समगुत्रचरदाभराधिता ॥ ॥ १९ ॥ ० ॥
 भाषितविय ॥ ॥ राग. यक्षम. गाला. मय ॥ कालिदेवज्ञानत्रयविशेष ॥

कुंचित. डावायि. जंकात्रनादत्रयी ॥ कृद्वृजा. गतिरुवनत्रिधा. ययिसयि
 जिनधारी. विद्वत्तयै ॥ ॥ ॥ यत्रमानंदमूर्तिधराश्री. काकाधि
 यशीमंजुवजाश्रुजं भ्राष्ट्रैकैकैका धाधियशीमंजुवजा ॥ ॥
 कालिकाकमलसंजा ग. सहजानंद. यवननरंग. सत्रीनगमिश्रद
 उयमुखवटराज. तन्मकुटधाराकृष्णसीमानन. दहिनवास ॥ ॥ ॥ ॥
 गुलायनिवजययकासन. कूकमात्रा. ननूयकालिनाश्रवजखमसत्र. दहि

सर्वाकारा ॥२३

नकनध्वनि वामयः श्रुत्यलचायध्वनि ॥ विचित्रनलशरानराध्वनि
सुलीयभनगम् नृनिनृयैः शनगुत्रचनराकमलपुष्पादा न
मामियत्रमामिनि लोपदे ॥ २० ॥ **॥ २० ॥ वज्रवात्राहिया**
नरा ॥ ॥ त्रागध नाथी ॥ **माला** **मि** ॥ सर्वाकारा महासुख
ऊन चरभाननुदहाश्रुवन्नरुलयि महासुखनाया चन्द्रसूर्यद्वयम
त्रिया ॥ **॥** नयायनिधन पूननिधन श्रुवन्नरु कम्बनृयी २ सर्वाविकल्प १८

विधमनीदवी भनरुनरु नवनदायनी ॥ ^{गा} ॥ भमिरुमधुलवंदयान
थिनिक्लाननमिव नृयध्वनी २ कनमियात्राखवांगध्वनी पुष्पा
ज्ञानवनदहा ॥ **॥** दिग्वनामकूटकनी चकोकुलकणि
ध्वनी २ चकमख ना पायनध्वनी गी वनननमिलमाला
॥ **॥** सर्वमथगन ऊननिदवी विनहिररावभरावा २ धी वज्र यागि
नी चनरा शिल्यगन गवैमिसमनसंवजा ॥ **॥** सद्यपुजा गीन ॥ २१ ॥

ॐ विष्णु सारव ॥ २६

॥ नाग. कामा ॥ गाल. खड्गना ॥ है विजु सैराव. खसमदहा. नवन सं. दार्जि
शरुन ऊधना ॥ २ ॥ ददशगुजा. वदवदना. ददशवगुननकन
॥ ॐ ॥ नमामि ॥ श्रीगुचकंधन. मानसय. सवरुयहनदी ॥
॥ चरुनविंश ॥ श्रियी. ० खनूप. कृती सैवीनवीनध्वना ॥
चरुनचक. पुत्रिवृता. दवी सैपूट. पुकालिगसिठगा ॥ ॥ पुकालिगसिठगा
आलिकालि. पदाकागा अरि सैदना ॥ ददशदवी ॥ कसावा. नमामि

१२

विष्णु ॥ २७

श्रीचक्रसम्बना ॥ ॥ सगगुनचन. ध. शिल्यागधर्य. रनयिगीर. श्री
कालि ॥ २ ॥ दानय ॥ मित्र. मनाहर्ष. सधमधुलभावाधिता ॥
॥ ॐ ॥ २२ ॥ ॥ वजवाताहिनरुप ॥ ॥ नाग. ॥ ग. मा. न. श्री
॥ गाल. साथ ॥ दि ॥ सुजयकमुख. नकेवर्ष. श्रिनगा ॥ २ ॥ सूक. के
॥ ॥ दिगं वना ॥ ॥ गनाहं हं गनाहं हं ॥ ॥ गनाहं हं ॥ ॥ वामक
नाटक. दहिनकनमि ॥ २ ॥ हाउभारुनक्षसू. श्रिता ॥ ॥ सूर्यमधुल

श्रीसायि॥२६

[illegible]

20

सर्वद्वन्द्वम् ॥ ७८

जन. यनयायि. इदूवडनयायि॥ ॥ चउसमकमुत्रिसिद्धा. कर्यूनला
 डानयायि२मलय
 यि॥ ॥ प्रबूनक
 भंगचदावयिया.
 ॥ शिलाहृति॥ ॥ राग. गलोवनि॥ गालमाथ॥ सर्ववृद्धविबृद्धमधि
 ता. विम्बमानकूदनी२वडडागीनीवजमधिर. कानधना. शिलाच

नी॥ ॐ ॥ नमामिवाचुलि सिद्धि यागिनी गद्यमल्लिना २ अक्षयि सिद्धि
 र्वसिद्धि यागिनी गद्यमल्लिना ॥ ॥ आदिरुपम सुलभ ऊस
 नसदीपनालक्षुवि चना २ चक्रिकुलकटिला चक्रमख
 लाविरुषिता ॥ ॥ ॥ कर्नामिषयनमान रुदनी मूकटकशीदि
 गवना २ मृगमालाखडांग मल्लिनालक्ष्मि कान्त यकना ॥ ॥ रुद्रदे
 २ कृभनका सयनविश्ववियापिता २ रुद्रचनक्षमिल्यधनी अवधूव

२१

राजा नरेश ॥ २२

कर्षया गवयीया ॥ २३ ॥ ॥ मूलाचार्यनरेश ॥ यंचर ॥ लि ॥
 ॥ ॥ नागभरुषि ॥ ॥ गालमाथ ॥ राजारुनक्षत्रियायिन
 सम्वनधनयिक वाचुनिनवक्ष २ रुद्रवानरुनमल्लिना
 मूक्षनमूकटकशी दिगवना ॥ ॐ ॥ नननमानसम्वनना
 या समनसुदलिमानकाला २ रुद्रमविनाहिनी वज्रवात्राहि रुद्रम
 हिमानुक्षना ॥ ॥ गालिशायनववसुहमयन कर्पूनरुव २ रुद्र

उदिगा ॥ २५

वात्रा २ गगधनीलवर्ण वल्लिलज्जा मन्मथुलरवनीध ॥ ॥ गिय
 ॥ उखटहं कृदिग ॥ लसम्वन यथोसयिहं नृरादात्रा २ हस
 वित्राहिनी वज्रवा ॥ नाही शुभ विनूद घमि भैधात्रा ॥ ॥
 ॥ गभविल्लीलावज ॥ कलियाउत्र सगुत्रचननेआत्रा ॥ ध २
 समयानन्द रुक्ति गत्रमधुल सस्यत्र वज्रवात्राहि ॥ ॥ २६ ॥ ॥ ॥
 ॥ नागविता ॥ काल मा ॥ ॥ उदिगा रनयिया यवनधूगा २ वत्रसहदा

२२

विविहिवि ॥ ३०

मककाशालकृता ॥ ॥ ध्रु ॥ घात्रइष्टानसर्वनि संतललिता २ अखयनि
 नैऊन माऊकृता ॥ ॥ ॥ दिनकलमधुलमध्यगता २ क
 नृधमिगत्रसवस ॥ कृता ॥ ॥ दग्धजालिताय पतिनिह
 गा २ देवासूननत्र ॥ शिलनमिता ॥ ॥ गभविलियवनपति
 गुनूगता २ वज्रवात्राहि हुंङ्ग मित्रनमिता ॥ ॥ २७ ॥ ॥ ॥
 ॥ नाग गध २ वि ॥ काल मप ॥ विविहिविहनेत्र मात्र विशिषिव

दन२दवासूननरुवनहुरुकनुध॥ ॐ ॥ नाचेननमामि. श्रीसम्ब
 नवीना२वजयागी ॥ नीनमित्र. सहसुष्टमगा॥ ॐ ॥ वजवाता
 हि. अलिगशक॥ २ कृतिसेविनेवीरन्धन. सम्यनमगुल
 ॥ ॐ ॥ गमकदहन ॥ विवर्मासु राऊर२ कनुधालायनची
 यमदाव॥ ॐ ॥ दादशरुज धनिया. चाविचउबदन२ नीलसेहाव.
 . गगदाऊंलीना॥ ॐ ॥ १७०००० ॥ १८॥ ॥ नाग. गन्धरुत्रविनाताल. १३

॥ मय॥ शिदलयप्रगुचमगुल. महासुखऊर॥ १२ दवीवजविनामिनी
 . गत्वज्ञानचकु॥ ॐ ॥ पिपयित्रमहात्रस. गमकदहन२
 स्वर्गमाऊ मागर्ज. स ॥ त्वउधरधार्थ॥ ॥ वजवालोहि. आ
 लिगश. गग. दा२ शि ॥ रुवन. दवासूननरदवी॥ ॥ यऊपू
 ऊगुआतिषक. अनुरुवकिया२ सत्वननचिरु. गगुक्रियासम
 चय॥ ॥ गुनपुशादन. दूर्धितिनामन२ रुन०० कूलदरु. आ

ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॥ ३२

चार्यचरित्रा ॥ ॐ ॥ २२ ॥ ॥ नाग. यद्यम ॥ ताल. शिङ्गना ॥
॥ ऊयं वाचुति. रु
धनी ॥ ५ ॥ न. रग
ही मृही काना २ रु
४ उलोत्ता २ छिनि निनि निनयैनि. छिनि नयना ॥ ॥ कनगिरव
त्यन. गीथ नूडन नहिल माला ॥ २ कूकिरवदी गवन. मूकट के ५ ॥

२४

अवनिनिहिरम्भानु॥३३

॥ शिरोमणिर्मंदनगण, कजलसुत्रा २ क सुत्रिकर्ण्यत्रगा, म्वत्रस
खसात्रा ॥ ॥ रुने
यसादः श्रीहनुवया
॥ गान्धर्वगाले ॥
ककत्रगिनयन, शिषसवदना ॥ ॥ रुनाहं हं, गनाहं हं २ हं हं हं हं हं.
जान्, अचल, कादनाया ॥ ॥ निविदिनयनदृति, शिरोमणिर्मंदनगण २

अवनिनिहिनगमजान् ॥ ३४

याशखमधुनिगिरुवननाथ ॥ ॥ हरिहरवस्त्राच्छुचउमात्रा २ मा
नविघ्नघ्निकेभगुरु ॥ यहनदी ॥ ॥ विविधितेन मोलितेन
कनदहा २ जगनवा ॥ चित्त वनरुलदायकं ॥ ॥ ३१ ॥
॥ ॥ नाग कामो ॥ ॥ नाग खद्वेगमय ॥ अवनिनिहिनगवाम
जान् खज्जिकित्तमात्रसंज्ञासा ॥ २ नागदयसाह वन्धिनया नि
रुवननाया अचलवीना ॥ ॥ नमामिष्टीचतुमहाखद्वेजात

२५

मरुतयकुटिला २ विन्धनाथविन्धव्यापिताविर्विक्रममहाका
धनाया ॥ ॥ अ ॥ नितीषध उर्ध्वचतुः दृष्टाकयाया वि
द्वीनिकिचद २ यी ॥ ॥ अ ॥ अथनाककलनयना वैविसज
॥ ॥ नाथहसवध ॥ ॥ ॥ साधवमाया पुनचवव मा नौद
विष्मचारिसाननमसा २ समवसमाया नागविमाहा हानलाया समा
हिनदहा ॥ ॥ वत्नारवधायकलितमोवि कयचनोअंयुचन

धीमृहीकाया २ सवय न नाग. वीदिग च व द्वा. नाय सखा सुव अच
 लवीना ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ वाग व स र. ना व द र्श मी
 ॥ अतसि क सु म द मि. द ह पु सा ह्वा २ वि वि धि व न म
 सि. मू क ट वि रु धि ता ॥ ॥ ना चे व द्वा अच ल वि वा २
 म ना चे उ आ न द वि वा स यि अच ल ॥ ॥ व्या म उ द्वा वि वि द्वा मू डा
 दर्श ना २ पु द्वा आ लि ग ध अ द य म हा स ह ॥ ॥ वि वा ग च द्वा

२६

धृति रु व र य क वा २ र स्य नि ह न. ख मू र्ज नि या द्वा ॥ ॥ मा न
 च रु द र्य ध नि व वि प्र ह ना २ व वि श हि श ग न र ग ग ध वि
 वा स यि अच ल ॥ ॥ ३३ ॥ ० ॥ वा ग मा ल डा ॥ वा
 न मा थ ॥ नि र्ज रु व अ व धू व. ह व द्वा ना या २ धी ह न ग म न
 या गि नी य यि स ॥ ॥ आ न द्वा दि वा चे लि. आ नै दा दि दा वी २
 य नि ना च गि ह वू व. म न सा स पू र्ण ॥ ॥ पू र्ण सी र हि र य नि ज

निर्ज रुडा ॥ ३६

२१

॥ ० ॥ नाग. क. द. दि. ॥ माल. म. प. ॥ ति. हे. ज. चा. य. यि. या. गि. नी. द. ह. क.
वा. दि. २. क. म. ल. क. लि.
नी. रु. म्. वि. नू. ष. ध. रु.
म. ल. सौ. यि. व. र्णी. ॥
दि. कू. ल. व. हि. या. न. श. ति. या. न. स. मा. न. ॥
या. न. २. च. न्द. सूर्य. द. यि. य. क. न. रु. या. उ. ॥

वैकुण्ठसुख ॥ ३८

मकुन्दव्रीणाश्नययनाबीमाभ्य उरयनउवीया ॥ ॥ ३५ ॥

॥ नागः स्वदयी ॥ ॥ नागः ॥ चक्रिकुशुलकशिनाचक्र
 मखलरायिना, गि धनुडननीसिलमा, लाश्रीलेचक्रिक
 लेया, रुसविहृषि न, गगधकर्माति, वैधुविवाया ॥ ॥ ३६ ॥
 यरुसहीहनुवम, मायूकाला, रुगनाथ, श्रीसम्बन्धनाया ॥ ॥ ३७ ॥
 ॥ वज्रकवाटकहा, पधलिया, कशिक्रियाउखदांग ॥ ॥ ३८ ॥

२८

गिनीकमल, विहासिगव, महासखमनीयहाद ॥ ॥ वज्रवा
 नाहि, आलिंगध, सैवच, नाचयिबहुविविहचरंग ॥ ॥ ३९ ॥
 चुलिकालिनेया, कीर्तिनिहनुशमधरवन, सूचधससै
 ग ॥ ॥ सहजसं वृत्तिनेया, गभविकर्षयाहीहनुवचव
 धपुशदश्युहाणा, किर्तिनिहनुव, विनासयिहून्यकचुहा
 ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ सीहवगीत ॥ ॥ ॥ नागरेवव ॥ ॥

५३॥

नालमाथ ॥ ऊर्यं ऊर्यं वाचुलि. सयचसूताखलि २ अखयद ४ ख
 सैहाचिदी ॥ ॐ ॥ ॥ नदीमूदीअनेहा. हैकावनाचीय. मा
 ननिनवावूव ॥ ॥ ॥ जिमयवमानिन. दहापूवच २ जि
 नऊननिल. वऊ ॥ यागिनि ॥ ॥ ऊर्यं ऊर्यं हा शाख
 दसू ॥ ॥ हा २ कबोतकपाल. खद्दीगध्वनी ॥ ॥ ऊर्यं ऊर्यं बोद ६
 ६ ॥ ॥ नरिख वंशीयवूदनवजिलमाला ॥ ॥ ॥ ऊर्यं ऊर्यं वाख

३२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४० ॥

[illegible]

वावाहि. अलिगधकावा ॥ ॥ उथरुवा ऊकचूदाकवावि २
 ऊयेऊये. अलि ॥ गधनीलवर्णवावि ॥ ॥ २४ ॥
 ॥ ॥ अर्थनवस मूडाभायधन्य ॥ ॥ वाग. ललित ॥
 काल. मय. स्वद हीहाय. नरुचूदाकिंयागिलवासाना
 रिताय. वाऊयहावा ॥ ॥ हाउमाव आरुवधकिमिति. रुकसनाय
 नयावधसिचमूनियहावा ॥ ॥ ॥ देवीकंरुलिर्यकिमिति

रुंऊनाकसाचिना २ दहिनि अलिहमाहाधचसिधिबीवा. त्रिनिन
 यन. अलिगववा ॥ ॥ ॥ निचसुवतमहुलमाभ्य. वशाधि
 नगाया अगुधध वसिनवकयाला २ कचरिकयालख
 दौगमगहावा. पक सिऊतामूकूदकंशकविया ॥ ॥ यक
 तथागरु. दहसिचउदेवीकहशीथदवी. पाचनीऊये २ ऊगरमावूध
 सनंसयनऊगरायासिसमाभीअपकारियं ॥ ॥ ॥ तवद४खरुत

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

39

नाशनहायिमहामुद्रासिधिन॥ ॥आदिबुद्धहियागमध
यमशुलविनास॥ यिखहदाचक्रवै२नीवनीलवर्णमि
यगनश्रीमन्नुध॥ रुयचिरुमिन॥ ॥एसादिब०दह
दिहवग्निबुद्धव॥ दिज्ञानरुगनउधचल२सयचवृद्ध
हियाधकक्रिययानिऊविजयापचिरुमिन॥ ॥एबुडपदल
सिमयियूगल०माकूचिरुविरुगव२सतगुचन०ध०मिलग

तधचिया. रत्नयिसूचतवज्जतत्वच॥

॥ ४०॥ ॥ सति क

रु. आचि. वज्रामा

यका॥ ॥ गनचक्रगीत॥ ॥ वाग

रत्नोवा॥ माल

कमाल॥ गङ्गाजिन उद्धृताथ. धनीया. क

मलकूलिग. अष्ट

यवाचिश्च सम्यक् वनिकु. भ वनिकुला.

वामस्वदीगकपालधना॥ ॥ श्रीसम्बन्धनाया. वाचुलिरुक्ता

विष्णुश्च मावयिष्य. चाययिष्योच. मायासासूरुवगुमूडासिद्धि

३२

३२

॥ ॥ पागवक्त्रमूद्रवामहाथधचिया. रत्नवज्रितमाला २ नील

हविरत्नाहित. क

वनकारवचमूख. अतिविक्रमावज्र

धना॥ ॥ अलि

धयथासेववचाययिष्योच. कानि यति

विम्बमूडाशिविष्य

कूलिग. अष्टचन्द्रकटायूकयावचम

षट्मूडा॥ ॥ चूति

सैविमोवमन्धवाधायकतिनिचक्रमहावि

वीविवाश्चकनूराङ्गिणव. विवीवमन्धव. रुंजयि. सयावसैसा

सितजलजु चंद्रसमव्यापिता॥ ॥खड्गयागभवत्साधि
 बचकवतिभनूमशुलरुमतलिनाशनिर्मलरुदयाचक्रध्व
 पितअहिनीसिकुचवदंगसमयसाधना॥ ॥आनंद
 यनमानंदविवमासहजचक्रानंदऊसरुवाश्यवमाविव
 मामामनच्छादिबमहासूखसूगतसैयदवव्यापिता॥ ॥
 ॥हवजकालचक्रशीचक्रसैववअननकाटिसिद्धायावंगगा२

३४

निर्मलगायन३५

श्रीहरशदियानपूर्वगितिकावैधवीपुरुमहासूखजानह
 ॥४३॥ ॥बागवदुदिनाल
 मय॥निर्मलगायन
 यनसमयसूख॥ ॥यनसुसाहितअगशक्तिमूहिल
 ॥४॥ ॥लावीयवशीयागभववि
 वाश्यागिनीजालकचलीनाचयी॥ ॥आकिनीमशुलचक्र
 रुलयियाशमशुलका॥५॥ पूजकवीयया॥ ॥वडिधामि

वोज्यागिनि॥४८॥

चियाचिचउविशसिघिनी व्याघितीऊवूकउवूकिनी॥ ॥
जाकिनीदीपिनी चउसिकवाऊनी॥ सयवसमवर
यवधनमाचयि ॥ ॐ ॥ ४४ ॥ ॐ ॥ वागमाल
व॥ गालमाथ॥ ॥ वाज्याचिवताचिचनुविद
वीशसिघिनी व्याघितीऊवूकउवूकिनी॥ ॥ ॥ नमामिगीया
गम्यचरुननवीयाशुनिननुदविशुवननपयिस॥ ३५

वज्यागिनि॥४८॥

॥ ॥ पूर्वउरुवयन्धिनदकिदादिगदवीशजाकिनीदिपि
नीचउसिकवाऊनी॥ ॥ चरुवादिगंगुमरुलंगु
दवीशुनिननुद वीनाचनितदवी॥ ॥ हविहव
वमरुदभसव गमनश्याउगयागिसिसमवसैरा
व॥ ॐ ॥ ४४ ॥ ॐ ॥ वागमावधी॥ गालमाथ॥ वज्यागिनी
हवूवनायाशुनुवननाथदहिमया॥ ॥ ॥ यिवरुवम

नमामि २५१। वज्रजगिनि॥
१४८

हावसै महासूखक वयिया श्वरुद्वीरुलया. भनूक यशान
॥ ॥ उरुनायि ॥ गिदलक मलसैया ॥ गश्टहि विनास
यि यवनरुदयि ॥ ॥ ॥ रुजयि वयै च महासूखक वी
या श्वै च शिवस ॥ विजुवा वृषी ॥ ॥ सगु वृचध
साद चरु र्थि रिवक श्वान स्वो वी सै सायस मूडा ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ४ ६ ॥ ॥ नाग मालिनी ॥ गाल माथ ॥ नमा मिश्री व

ऊयागिनी २१ बूथी मधुलमा २२ पुआलितदहा २३ ध्रु २४ नोमिणी
 वऊयागिनी लाहि २५ गवर्द्धरा २६ भनूक बवाधि २७ पदायनी
 दवी २८ ॥ त्रिकुव २९ नव्यापिन ३० दहिनक बतिध ३१ बी ३२ सह
 जानैदबूयी ३३ धीदवी ३४ ॥ कूटीगम ३५ वमनाह ३६ मधुलाश्वा
 मखय्य ३७ कतुखद्वी ३८ गधावि ३९ ॥ वकधर्मा ४० दया ४१ चाययिता ४२
 वश्यधमा ४३ मिवा ४४ छलि ४५ गु ४६ श्व ४७ बी ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥

उदगिनि ॥ ५०

भाग नाट्य माला उक्ति ॥ उदगिनि तल गानि सैका सा शकुलिस
क बाट क धा विग दवी ॥ ॥ म कट क ग वि नि त्रा च नी
दवी शुरु क दवी रा स्त वि धा ध नी दवी ॥ ॥ आ ला
लिक च क उ द्या ल स्थिति १ म न यु द कि हा दिन बाणी २ ॥
॥ उ ग र द व चि त प वि यु वि ना शुरु क दवी मा दि र वि धा ध नी द
वी ॥ ॥ उ गु नि न र द न उ नि स धि स्थि १ क न वि धि उ द का र व ३ ॥

न. सूर क य का ॥ ॥ सै हा न ना शि स क य ना शुरु क दवी गु क
या दि धा ध नी दवी ॥ ॥ स्व र्ग म ध्य पा ना ल वि रु व न च
१ शुरु क दवी न स स र्व द व द ह ॥ ॥ त्व उ नि उ द्या
म व द व न द ह ॥ ॥ तु क द वी रा स न वि धा ध नि द वी ॥
॥ ॥ न स्मि य च व ॥ कु लि ना क ना श व श नि मि न स र्व स त्व न द ह
॥ ॥ स्व न स्मि य नि क न स र्व स त्व न द ह ॥ शुरु क द वी दि वा क न

विद्याधनीदवी॥ ॥ त्वंदवीं गुरुव सुख कय रुकु पूरु शुभ दवी
 छादिनः अननः ॥ स्पदवी॥ ॥ दवा विद्या भखन गु
 नूउयद ॥ १२ गु ॥ म्दवी कलवी ब. विद्या धनीदवी॥
 ॥ ८०५ ॥ ४ टा ॥ ॥ वागकनीदा तात्र मय ॥
 ॥ श्री हवरुने या त्मादवी. प्रियवननाथ श्यचः जि व्यापिता यचः
 वरुदहा ॥ अ ॥ नमामि श्री गायच्छा ग्रचेत्य २ हुनू कशी गुम्ब

वज्रमयसुमिः ॥ ५४ ॥
पुमादिगवे ॥

स्वभाय ॥ किं न दृष्ट्वा याचचाकृष्ट ॥ ॥ लुमिधधनगिन
॥ ॥ वागमध्व ॥ मर ॥ गाल दूर्जमान ॥ वज्रमयसुमि
॥ धियमगुलम ॥ नीवडीरुव वज्रवध्रुं ॥ सफनसा
ननरुमिनिवास ॥ य. मानसय नसंगासक वसी ॥ भ्रु ॥
॥ सीरुनी ॥ रुरुट. गुरु गुरु रुरुट. गुरु पय गुरु पय रुरुट ॥ ॥
नयहारुगवन् विद्याभाऊ रुरुट रवदय ॥ ॥ भ्रिखदय ॥ ॥

४०

॥ हनकभाजियचिरु ॥ उरियवज्रयाकाचूरुवरु ॥ भ्रष्टदिगमा
नय. वायनव. स ॥ वविष्टकनखेटन ॥ ॥ गगधनि
नार्वधकुलिभानि ॥ वासय. वज्रविना. नरुंखरुं ॥ वज्रयंज
लरुंजलिगागिव ॥ जसवजालगसैगो ॥ ॥ किउ
निमगुलवायविबध्वनसर्वसत्त्वहियायमादकन ॥ सगगुव
भासाशिवगरधविद्या. रुनयिलिलोवज्ररुमिधधन ॥ ॥ ॥ ॥

[illegible]

स्थापिता॥ ॐ ॥ हूं हूं कबहुवजाचार्यमलुविद्यासितकर्मवडी
 सहिता. यहास्य नृपिनी २ वजुशिष्यालिमगपनिप
 र्णुहनुध. रुवस मूद्रननध. निमिलहनध॥ ॥
 पूर्वदलगन. पच सुसुनजिता. पचुविसति. रुदिन
 वृद्धकार्य २ दकि. दलगन वजुखसमश्चनय. शिशुवनसमन
 सपायविशुद्धि॥ ॥ यश्चिमदलगन. र्णुखहाधिर. धवनव

४२

र्णुसिधिवसराजिता २ उरुनदलगन. यश्च घाघधादिता. स्नानस्वन
 पिनी. विश्वजननी ॥ ॥ अग्न्यादिदलगन. ह्वनपीता
 नृध. नकश्चामव र्णुनजुधपियाव २ पूष्यविन्यासितवि
 धमयपूजिता. यध मामि. वजुसत्तसिनसाधिता॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॥ मधुलाधिवारागीत. पिचक॥ २१॥ गुनमधुल
 गीत. मध्वमव॥ ॥ ॥ समाधि. गीत. अनील॥ १६॥ कलशपूजा. गी

अष्टादशः गीतः कथं

रुभनरुन॥ ११॥ मामकियूजा॥ गीत॥ बकवर्ण॥ १२॥ दवस्कधूप
याय॥ गीत॥ नमः
हिय॥ गीत॥ गिहं
॥ ४१॥ धूमिकि वध
॥ ॥ नदिनमस्काव॥ ३॥ बाग॥ माला॥ ४॥ विश्वसबाबूह॥ ५॥
॥ समाधियाय॥ गीत॥ अनिल॥ १६॥ कलशयूजा॥ गीत॥ अनूरुच॥ १७॥

४३

॥ मामकियूजा॥ गीत॥ बकवर्ण॥ १२॥ धूपगीत॥ नमः
चचा॥ बाहिच॥ गी
राखव॥ ४१॥ ॥
दुवियकूअरुयं
माला॥ ४॥ विश्वसबाबूह॥ ५॥ जिसमाधिगीत॥ अनिलः॥ १६
॥ कलशयूजा॥ गीत॥ अनूरुच॥ १७॥ मामकियूजा॥ बकवर्ण॥

सयि. उपविशव ॥

यवाक्किरुचकूक

लयिया २ आवयि

गुन्. यायपुष्पाद

॥ ॥ ॐ ॥ ५६ ॥

मृदाखन ॥ गीत ॥ धनधन ॥ शून्य ॥ ॥ विनचर्या ॥ सगीत ॥ च

॥ गयनमयन. चिरुविना ॥ यिया २ का

विया ॥ ॥ उकधावयि. आरुय

व. यानगर्भा ॥ धावि ॥ ॥ यावयिब

२ रुनयिवाकवज. शून्यसमाधि ॥

॥ मृदायूजा ॥ गीत. हाउरुवध ॥ १ ॥

॥ विनचर्या ॥ सगीत ॥ च

४३

कशान ॥ ३०

सकवज ॥ ५१

किक्कुल ॥ यवसन. लकाय ॥

ल. रुमि ॥ कशनन

निर्बजन. सयाव

मान २ ॥ नागनार

ववीना २ अनूपकमकवृध. कविता. सूखचिरा ॥ ॐ ॥ सम्बन २ कून्

मयिताव २ खद्विगिदमन्. गी. यनवसिबमाला ॥ ॐ ॥ नाचे २ ॥ १

॥ सद्ययूजा ॥ गीत ॥ नागनार ॥ ता

पलाकथन. कशन. नूपवृद्ध २ अखय

विशुद्ध ॥ ॐ ॥ नाचे. अशध्वकानक

॥ ताल. रुमि ॥ सकवज. गरगुबुसम्ब

॥ ॐ ॥ सम्बन २ कून्

॥ नाचे २ ॥ १

द३ धि१

॥ विविवि कल्य विनाम नवूर्ध॥ सम्वव॥ अंकल हस्यनिबंज
न. अंकुन विहस्य
नाचै अं विवावा
विमल विष्ठाषा॥
१ अत्र धूर्वकाङ्ग गति. सहस्रनडा॥ नाचै अ॥ ॥ सकल विष्ठाहंति
मरियति वृक्ष १ अरियति स्वर्ग विवाहानवूर्ध॥ सम्वव॥ हलह॥

आर्य समाज
SHR. ARCHIVES

2842

४१